4. प्रभु यीशु की पवित्र आत्मा और दया से परिपूर्ण, पवित्र लोगों को सेवकाई के कार्यों के लिए सुसज्जित करवाने वाले एवं मसीह की देह को बनाने वाले प्रेरितों, भविष्यवक्ताओं, प्रचारकों, शिक्षकों और पादरियों के लिए जिससे कि मसीह अन्दर वास कर सके।
5. परमेश्वर के सम्मुख अपने आपको सिद्ध प्रस्तुत करने वाले, सत्य को उचित तरीके से बांटने वाले, मुश्किलों का सामना करने के इच्छुक, सम्मान करने वाले, पवित्र और अपने गुरु के लिए उपयोगी, प्रत्येक भले काम के लिए तैयार, मूर्खता और व्यर्थ के झगड़ों को टालने वाले, विवाद उत्पन्न नही करने वाले, भले, सहनशील और नम्र, विश्वासयोग्य, उपदेश देने योग्य स्त्री और पुरुषों के लिए। (2 तीमुथियुस 2:1-22)

और/या जवानों के लिए उसकी ओर निहारें :

1. ताकि जवानों की यह पीढ़ी सुसमाचार को अपनी पीढ़ी तक पहुंचा सके।
2. ताकि जवान लोग परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबंध और आज्ञाकारिता में आ सकें।
3. पवित्रता के साथ जीने वाले सच्चे एवं समर्पित शिष्य
4. सच्चाई के साथ परमेश्वर की सेवा करने और उसकी हर अगुवाई में उसके पीछे चलने के लिए।
5. गंदगी में रहने वालों तक भी पहुँचने एवं गरीबों की सेवा करने वाले दयालु ह्रदयों के लिए।

11 लोगों के उसके और दूसरों के साथ मेल मिलाप के लिए उसकी ओर निहारें (5 मिनट)

- अपने और दूसरे देशों के लोगों को दुख देने, उनका दमन करने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए देश अपने पापों का अंगीकार करें।
- सब स्तरों में मेल-मिलाप (परिवारों में, सताए हुए स्त्रियों और बच्चों के साथ, देशों के मध्य)
- लोगों के जीवनों को नष्ट करने वाले दृढ़ गढ़ों, संरचनाओं और राजनैतिक समूहों को तोड़ने के लिए।
- व्यक्तियों, परिवारों, गोत्रों और जातीय समूहों के लिए कि वे उनको क्षमा करें जिन्होंने उनको हानि पहुँचाई थी।
- पुन: प्रतिष्ठा और एक दूसरे को आशीष देने के द्वारा।

और/या

जादू-टोना और मूर्तिपूजा से लोगों के छुटकारे के लिए उसकी ओर निहारें

1. कि लोग जादू-टोना या मूर्तिपूजा में शामिल होने के पापों को स्वीकार करें।
2. कि लोग यह घोषित करें कि केवल यीशु मसीह ही प्रभु है – मार्ग, सच्चाई और जीवन। (1 कुरिन्थियों 12:3; रोमियों 10:12; यूहन्ना 14:6)
3. कि लोग यह घोषित करें कि परमेश्वर और मनुष्यों के बीच में केवल एक यीशु ही एकमात्र और पूर्णतया पर्याप्त बिचवई है। (1 तीमुथियुस 2:5)
4. कि लोग यह घोषित करें कि यीशु मसीह का क्रूस पर बहा लहू और बलिदान परमेश्वर से हमारा मेल कराने के लिए काफ़ी है। (इब्रानियों 10:19; इफिसियों 2:13)
5. कि लोग यह घोषित करें कि परमेश्वर पवित्र आत्मा के द्वारा लोगों पर सब झूठे देवताओं को प्रकट करेगा। (2 कुरिन्थियों 6:14-18)

12 स्तुति और आराधना के द्वारा उसकी ओर निहारें (5 मिनट)

अपनी प्रार्थना का समय स्तुति और आराधना के साथ समाप्त करें। प्रभु यीशु के नाम में परमेश्वर का उसकी अच्छाई के लिए धन्यवाद दें और उन लोगों को जो आपके दिमाग़ में आ रहे हो आशीष देने के लिए समय लगाएँ।

JERICHO WALLS
Prayer Network

Mission To The Unreached
B-106, New Ashok Nagar
Delhi - 110096
Ph.: 0120-2413687, 01122718340, 22717469
Mobile: 09811105537
Email: mtuthomas@yahoo.com
info@jwipn.com / info@globel24-7.org
Web: www.mtu.dove-el.com
www.jwipn.com / www.globel24-7.org

मेरे मुख का अनुसरण करो

भजन. 27:8

एक घंटे के मनन और प्रार्थना की प्रायोगिक मार्गदर्शिका

1 प्रभु के नाम को पुकारते हुए उसकी ओर निहारें (5 मिनट)

संयम और प्रोत्साहन के स्रोत परमेश्वर (रोमियों 15:5), दयालु और अनुग्रहकारी परमेश्वर (निर्गमन 34:6), अल शैदाई (सब प्रकार का उचित संतोष देनेवाला) (उत्पत्ति 17:1), यहोवा-यिरे (उपलब्ध करवाने वाला परमेश्वर) (उत्पत्ति 22:14), यहोवा-रोफेका (चंगा करने वाला परमेश्वर) (निर्गमन 15:26), यहोवा-शालोम (शान्ति देने वाला परमेश्वर; परमेश्वर शान्ति है) (भजन संहिता 35:27), सारे संसार का परमेश्वर (मीका 4:13), यीशु मसीह मार्ग, सत्य और जीवन (यूहन्ना 14:6), मसीह परमेश्वर की सामर्थ और ज्ञान है (1 कुरिन्थियों 1:24), सिंहासन के बीच में खड़ा मेम्ना (प्रका. 7:17), वध किया गया मेम्ना (प्रका. 5:12), महिमा की आशा मसीह (कुलुस्सियों 1:27), आत्मा: स्वतन्त्रता, सूक्ष्मदृष्टि, युक्ति, पराक्रम, ज्ञान और यहोवा के भय की आत्मा (यशा. 11:2), अनुग्रह और विनती, उसके ज्ञान का प्रकाशन और बुद्धि, महिमा की आत्मा।

2 व्यक्तिगत उद्धार के लिए उसकी ओर निहारें (5 मिनट)

प्रार्थनापूर्वक इन प्रश्नों पर विचार करें :

- क्या कोई अंगिकार नही किया हुआ पाप मेरे जीवन में है?
- क्या मैं अपने जीवन में क्षमारहितता और कड़वाहट को रखता/रखती हूँ?
- क्या मेरे जीवन में कोई संदेहास्पद व्यवहार या गतिविधि है?
- क्या मैं हर काम में पवित्र आत्मा की आज्ञा का पालन तत्परता के साथ करता/करती हूँ?
- क्या मैं यीशु मसीह को बिना किसी लज्जा के स्वीकार करता/करती हूँ?

3 उद्धार नही पाए हुए परिवारों, मित्रों और व्यक्तियों के लिए उसकी ओर निहारें (5 मिनट)

1. ______________________________
2. ______________________________
3. ______________________________
4. ______________________________
5. ______________________________

उनके उद्धार के लिए प्रार्थना करें, कि परमेश्वर उनको (आत्मिक, सामाजिक, भावनात्मक रूप से) आशीष दे और उनकी आवश्यकताओं के लिए प्रार्थना करें।

4 कलीसिया में उसकी महिमा के प्रकाशन के लिए उसकी ओर निहारें (5 मिनट)

1. ______________________________
2. ______________________________
3. ______________________________
4. ______________________________
5. ______________________________

और / या

कलीसिया के लिए उसकी ओर निहारें (5 मिनट)

1. भक्त लोगों के समूहों सारे देशों के लिए प्रार्थना के घर के रूप में पुन:स्थापित किए जाएँ (यशायाह 56:7; मत्ती 21:13)
2. यीशु की महान आज्ञा को पूरा करने हेतु सुसमाचार को सारे देशों तक पहुँचा रही कलीसियायों के लिए। (मत्ती 28:18-20)
3. कलीसियाओं के लिए कि वे महान आज्ञा को पूरा करने, प्रेम और सहानुभूति के साथ अपने समुदाय के लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पहुँचने लगे। (मत्ती 22:37-40)
4. कलीसिया के लिए कि वह वचन के प्रति विश्वासयोग्य बने।
5. क्षेत्रीय कलीसियाओं और दूसरी कलीसियाओं के बीच में सम्बन्धों की पुन:स्थापना: मतभेद, घमण्ड, ईर्ष्या इत्यादि से।

5 अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताओं के लिए उसकी ओर निहारें (5 मिनट)

1. ______________________________
2. ______________________________
3. ______________________________
4. ______________________________
5. ______________________________

6 देखते और सुनते हुए उसकी ओर निहारें (5 मिनट)

परमेश्वर से निवेदन करें कि वह आप पर नई बातें प्रगट करे, वह बातें जिनके ऊपर वह चाहता है कि आप ध्यान दें और विचार करें। परमेश्वर से निवेदन करें कि वह अपनी इच्छा और योजना/अभिप्राय को आप पर प्रगट करे। उन बातों के लिए निवेदन करें जो परमेश्वर के हृदय में हैं जिनके लिए वह आपसे प्रार्थना करवाना चाहता है। इसके विषय में परमेश्वर आपसे क्या कहता है, जो कुछ आप महसूस करते हैं, लिखें (डायरी)।

7 वचन को पढ़ें और प्रार्थना करते हुए उसकी निहारें (5 मिनट)

भजनों के साथ नियमानुसार प्रार्थना करना शुरू करें। प्रार्थना के दौरान हर बार दो तीन भजनों को पढ़कर प्रार्थना करें।

8 बेदारी लाने एवं निम्न विश्वव्यापी चुनौतियों में हस्तक्षेप करने के लिए उसकी ओर निहारें (5 मिनट)

1. एच.आई.वी/एड्स रोग और अनैतिकता, यौन वासना, वेश्यावृत्ति।
2. गरीब और ज़रूरतमन्दों, अन्याय और हानिकारक कर्मों और प्रवृतियों की बढ़ती संख्या।
3. सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार, अधर्मी संबंध।
4. कई देशों की सताई गई कलीसियाएँ।
5. लड़ाईयाँ, रक्तपात और जातीय हिंसाएँ और लाखों शरणार्थियों के लिए भी प्रार्थना करें।
6. महिलाओं और बच्चों का शोषण एवं दुर्व्यवहार, भ्रूणहत्या।
7. नश्लवाद, वंशात्मक बैर और जातीय अहंकार।
8. जादू टोना और मूर्तिपूजा।

9 देशों के लिए उसकी ओर निहारें (5 मिनट)

5 देशों के नाम लिखकर उनके लिए प्रार्थना करें

1. ______________________________
2. ______________________________
3. ______________________________
4. ______________________________
5. ______________________________

1. कलीसिया पर पवित्र आत्मा का उंडेला जाना।
2. स्थानीय कलीसियाओं में मिशनों की जाग्रति के लिए, सुसमाचाररहित प्रदेशों में सुसमाचार पहुँचाने के लिए। (मरकुस 16:15-19)
3. धार्मिक और परिपक्व आत्मिक अगुवों के लिए।
4. समर्पित शिष्यों की संख्या में वृद्धि।
5. देशों और राष्ट्रों पर परमेश्वर की शान्ति और महिमा आने के लिए, ताकि परमेश्वर राष्ट्रों को आशीष दे व उन्हे चंगा करे।
6. कि राजा और सरकार राजाओं के राजा प्रभु यीशु के प्रभुत्व को स्वीकार करें। (यशायाह 49:7)

10 अगुवों और पादरियों के लिए उसकी ओर निहारें (5 मिनट)

1. योग्य, परमेश्वर का भय मानने वाले, सच्चे एवं लालच से घृणा करने वाले पुरुष और स्त्रियों के लिए। (निर्गमन 18:21)
2. प्रार्थना करने वाले पुरुष और स्त्रियां जो अपने पवित्र हाथों को बिना क्रोध और सन्देह के उठा सकें। (1 तीमुथियुस 2:8)
3. परमेश्वर के लोगों को ज्ञान और बुद्धि से भोजन कराने वाले परमेश्वर के हृदय के समान चरवाहे और अगुवे। (यिर्मयाह 3:15)